RPSC College lecturer HISTORY Syllabus 2022

Introduction:-

हमारे द्वारा Rajasthan Public Service Commission (RPSC) College lecturer भर्ती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई अगर आप राजस्थान College lecturer परीक्षा की तैयारी कर रहे हो तो पोस्ट आपके लिए अति महत्वपूर्ण है इस आर्टिकल में College lecturer के सिलेबस के बारे में जानकारी दी गई है साथ ही आप अपने सब्जेक्ट के अनुसार नीचे दी गई लिंक के द्वारा PDF डाउनलोड कर सकते है वे उम्मीदवार जिन्होंने इसका ऑनलाइन आवेदन किया है उनके लिए निवनतम एग्जाम पैटर्न दिया गया है जो आपके लिए तैयारी करने में काम आएगा।

NAME OF SELECTION BOARD	Rajasthan Public Service Commission
POSTS NAME	RPSC College lecturer
OFFICIAL WEBSITE	Rpsc.rajasthan.gov.in/
Category	Latest Syllabus
EXAM DATE	Coming soon

RPSC College lecturer Selection Process

- **Written Examination**
- **Interview**
- **Merit List**

Exam Pattern:-

Serial Number	Subject	Marks	Questions
1	Subject Paper-I	75	150
2	Subject Paper-II	75	150

3	GENERAL STUDIES OF RAJASTHAN	50	100

कुछ महत्वपूर्ण जानकारी

Subject Paper

Note : Pattern of Question Paper

1. Objective type paper
2. Maximum Marks : 75
3. Number of Questions : 150
4. Duration of Paper : Three Hours
5. All questions carry equal marks .
6. There will be Negative Marking .

General Studies of Rajasthan

Note :- Pattern of Question Paper

1. Objective type paper
2. Maximum Marks : 50
3. Number of Questions : 100
4. Duration of Paper : Two Hours
5. All questions carry equal marks.
6. There will be Negative Marking.

RPSC College lecturer HISTORY Syllabus 2022 Topic Wise

PAPER-I

यूनिट-ए

प्राचीन भारत।

1. स्रोत- पुरातत्व, साहित्यिक और विदेशी यात्रियों के खाते।
2. प्रागैतिहासिक काल- मनुष्य की उत्पत्ति और सभ्यता का विकास।
3. सरस्वती-सिंधु नदी घाटी सभ्यता- सरस्वती नदी और आर्य, नगर नियोजन, कला और विज्ञान, व्यापार और वाणिज्य।
4. वैदिक युग- राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, धर्म साहित्य और दर्शन।
5. महाकाव्य- राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व।
6. महाजनपदों का उदय। शहरीकरण की उम्र और नंदों तक साम्राज्य निर्माण।
7. जैन धर्म और बौद्ध धर्म- विकास, मुख्य शिक्षाएं, समाज पर प्रभाव और योगदान।
8. पश्चिमी दुनिया के साथ भारत का संपर्क- सिकंदर का आक्रमण और उसका प्रभाव।
9. मौर्य साम्राज्य- चंद्रगुप्त, अशोक और उसका धम्म, मौर्य प्रशासन, कला और वास्तुकला, मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण।
10. शुंग, कुषाण और सातवाहन- राज्य व्यवस्था और सांस्कृतिक उपलब्धियां।
11. संगम युग- समाज, संस्कृति और साहित्य।
12.शाही गुप्त-राजव्यवस्था, समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार और वाणिज्य, समाज व्यवस्था,बैंकिंग और मुद्रा, साहित्य, कला और विज्ञान।
13. गुप्त काल के बाद की अर्थव्यवस्था- व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा।
14.हर्षवर्धन- विजय, राजव्यवस्था, धर्म, कला और साहित्य।
15. क्षेत्रीय राज्यों का उदय- चालुक्य, पल्लव, चोल, राष्ट्रकूट, प्रतिहार और पलास।
16.शिक्षा केंद्र- नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला।
17. बाहरी दुनिया के साथ भारत का संपर्क- पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और पूर्वी एशिया।
18. समाज और अर्थव्यवस्था (700 ई. से 1200 ई.)- सामाजिक संस्थाएं, भूमि अनुदान,कृषि, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य।

यूनिट-बी

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

1. सल्तनत काल के स्रोत।
2. दिल्ली सल्तनत की स्थापना और सुदृढ़ीकरण 1206 से 1290 ई.
3. खिलजी साम्राज्यवाद- अलाउद्दीन खिलजी- विजय, सैन्य और प्रशासनिक सुधार,बाजार नियंत्रण, भूमि राजस्व सुधार।
4. तुगलक- गयासुद्दीन तुगलक, मुहम्मद बिन तुगलक और उसकी योजनाएँ

धार्मिक नीति, फिरोज तुगलक और उनके सुधार।

5. सल्तनत काल के दौरान केंद्रीय प्रशासन और इक्ता व्यवस्था।

6. सल्तनत काल की कला और वास्तुकला।

7. भक्ति आंदोलन और सूफीवाद।

8. उत्तर-पश्चिम सीमांत समस्या- मंगोल आक्रमण और उसका प्रभाव।

9. सैय्यद और लोदी राजवंश।

10. प्रांतीय राज्य- विज्ञाननगर, बहमनी और जौनपुर- राजनीति और सांस्कृतिक योगदान।

11. मुगल काल के स्रोत- फारसी कार्य, विदेशी यात्रियों के लेखे।

12. मुगल साम्राज्य की नींव- बाबर और हुमायूं।

13. अफगान सत्ता का पुनरुद्धार- शेरशाह और उनके प्रशासनिक सुधार।

14. मुगल साम्राज्य का विस्तार और सुदृढ़ीकरण- अकबर, जहांगीर, शाहजहां।

15.औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन।

16. मुगलों की नीतियां- दक्कन, धार्मिक, राजपूत और उत्तर-पश्चिम सीमांत नीतियां।

17.प्रशासनिक प्रणाली- केंद्रीय, प्रांतीय और राजस्व प्रशासन, मनसबदारी और जागीरदारी प्रणाली।

18.कला और संस्कृति- वास्तुकला, चित्रकला, संगीत और साहित्य

19.आर्थिक जीवन- कृषि, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा प्रणाली।

20. मराठों का उदय- शिवाजी- विजय, नागरिक और सैन्य प्रशासन, की प्रकृति चौथ और सरदेशमुखी, हिंदू पदशाही की अवधारणा।

21. पेशवाओं के अधीन मराठा शक्ति का विस्तार- मराठा संघ, नागरिक और सैन्य पेशवाओं के अधीन प्रशासन, पानीपत की तीसरी लड़ाई- 1761।

यूनिट-सी

इतिहास में अनुसंधान।

1. इतिहास का दायरा और महत्व।

2. इतिहास में वस्तुनिष्ठता और पूर्वाग्रह।

3. इतिहास में कारण।

4. इतिहास और उसके सहायक विज्ञान।

5. क्षेत्रीय इतिहास का महत्व।

6. भारतीय इतिहास में हाल के रुझान।

7. कार्यप्रणाली- स्रोत और साक्ष्य, आलोचना, थीसिस इंजीनियरिंग।

PAPER-II

यूनिट-ए

आधुनिक भारत

1. भारत में यूरोपीय व्यापारियों का आगमन-पुर्तगाली, डच, अंग्रेजी और फ्रेंच।
2. ब्रिटिश शासन की स्थापना और विस्तार।
3. भारतीय शक्तियों के साथ ब्रिटिश संबंध- बंगाल, अवध, मैसूर, मराठा और सिख।
4. पूर्वी भारत के तहत केंद्रीय और प्रांतीय प्रशासनिक ढांचे का विकास
कंपनी- 1773 ई. से 1857 ई.
5. ब्रिटिश-स्थायी, रैयतवाड़ी और महलवारी के अधीन राजस्व बंदोबस्त
समझौता।
6. संवैधानिक विकास- भारतीय परिषद अधिनियम 1861, 1892 और 1909,
1919 और 1935 के भारत सरकार अधिनियम।
7. ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव- धन की निकासी, रेलवे का विकास,
उद्योगों का पतन, कृषि का व्यावसायीकरण।
8. 1857 का विद्रोह- कारण, प्रकृति, महत्वपूर्ण घटनाएँ और परिणाम।
9. आदिवासी और किसान आंदोलन।
10. सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन- राजा राम मोहन राय, दयानंद
सरस्वती, विवेकानंद, ज्योतिबा फुले, यंग बंगाल मूवमेंट, प्राथना सभा,
थियोसोफिकल सोसायटी, सर सैयद अहमद खान और अलीगढ़ आंदोलन।
11.दलितों के उत्थान के लिए आंदोलन।
12. ट्रेड यूनियन आंदोलन।
13.महिला मुक्ति आंदोलन।
14.शिक्षा और प्रेस का विकास।
15.राष्ट्रीय आंदोलन (1885 ई.-1947 ई.)- राष्ट्रवाद का उदय, कांग्रेस का जन्म
और इसके पूर्ववर्ती संगठन, राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न चरण, योगदान
क्रांतिकारियों और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आजाद हिंद फौज) की।
16. भारतीय राजनीति में मुस्लिम लीग और सांप्रदायिकता का विकास।
17. परिस्थितियां भारत के विभाजन की ओर ले जा रही हैं।
18. ब्रिटिश शासन की विरासत।

19.भारतीय संविधान का निर्माण।

20.भारतीय राज्यों का एकीकरण।

यूनिट-बी

दुनिया के इतिहास

1. पुनर्जागरण- कारण और प्रभाव।
2. सुधार- कारण, प्रकृति, वृद्धि और महत्व, प्रतिसुधार।
3. औद्योगिक क्रांति।
4. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम- कारण और प्रभाव।
5. फ्रांसीसी क्रांति और नेपोलियन युग- कारण, महत्वपूर्ण घटनाएं और प्रभाव, नेपोलियन बोनापार्ट का योगदान।
6. यूरोप में राष्ट्रवाद और उदारवाद का विकास- राष्ट्रीय राज्यों का उदय- एकीकरण इटली और जर्मनी की।
7. उन्नीसवीं सदी में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का विकास- दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका।
8. 1917 की रूसी क्रांति- कारण और महत्व।
9. फासीवाद और नाजीवाद का उदय।
10. प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध- कारण, महत्वपूर्ण घटनाएं और प्रभाव।
11.विश्व संगठन- लीग ऑफ नेशंस और यू.एन.ओ.
12. 1949 की चीनी क्रांति।
13. शीत युद्ध- दो ब्लॉकों का उदय।
14.औपनिवेशिक उदारवाद- मिस्र, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया।
15.तीसरी दुनिया का उदय और गुटनिरपेक्षता।
16. सोवियत संघ का विघटन

यूनिट-सी

राजस्थान का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास

1. स्रोत-पुरातात्विक, अभिलेखीय और साहित्यिक स्रोत।
2. प्राचीन सभ्यता- कालीबंगा, अहर, बागोर, गणेश्वर, बालाथल और बैराठ।
3. राजपूतों की उत्पत्ति- विभिन्न सिद्धांत।
4. शाकंभरी के प्रतिहारों और चौहानों की राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियां।

5. राजपूत प्रतिरोध- पृथ्वीराज तृतीय, रणथंभौर के हमीर, रावल रतन सिंह, कान्हड़देव, सांगा, मालदेव, चद्रसेन, प्रताप।

6. केंद्रीय शक्ति के साथ राजपूत सहयोग- मानसिंह, राय सिंह, मिर्जा राजा जय सिंह, जसवंत सिंह

7. राजस्थान में सामंती व्यवस्था।

8. कुंभ और सवाई जय सिंह की राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियां।

9. 1857 के विद्रोह में राजस्थान की भूमिका।

10.राजस्थान में आदिवासी और किसान आंदोलन।

11. प्रजा मंडल आंदोलनों के विशेष संदर्भ में राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम।

12.राजस्थान का आर्थिक जीवन (1818 से 1948 ई.)- कृषि, उद्योग, व्यापार और व्यापार।

13.कला, वास्तुकला और चित्रकारी।

14. राजस्थान का गठन- इसके विभिन्न चरण।

RPSC College lecturer Syllabus 2022 Subjects Wise

General Studies of Rajasthan Paper Syllabus
Zoology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sociology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Public Administration Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Psychology Paper-1 & Paper-2 Syllabus

Political Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Physics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Philosophy Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Music (Vocal) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Music (Instrumental) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Mathematics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Library Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Law Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Accountancy And Business Statistics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Geology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Geography Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Chemistry Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Botany Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Dyeing And printing Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Economic Adminstration & Financial Management (E.A.F.M.) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
English Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Persian Paper-1 & Paper-2 Syllabus
History Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Economics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Computer Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Drawing & Painting Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Hindi Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sanskrit Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sindhi Paper-1 & Paper-2 Syllabus

IMPORTANT LINKS
RPSC College lecturer Syllabus PDF
Official Website

इस नोटिफिकेशन से सबंधित कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न:-

1. *RPSC College lecturer कितने अंको का होता है?*

उत्तर: General Studies of Rajasthan -50

Paper-1 & Paper-2 -150

2. *RPSC College lecturer पेपर में कितने प्रश्न आते है?*

उत्तर: General Studies of Rajasthan -100

Paper-1 & Paper-2 -300

3. *RPSC College lecturer पेपर में कितना समय मिलता है?*

उत्तर: General Studies of Rajasthan -2 hours

4. *RPSC College lecturer Syllabus in hindi. ?*

उत्तर: इस नोटिफिकेशन में आप देख सकते हो।

शिक्षा जगत की लेटेस्ट अपडेट पाने के लिए हमारे टेलीग्राम चैनल को सब्सक्राइब करें

Get Education Update Visit Our Website:- www.HelpStudentPoint.Com
Join Our Telegram Channel:- https://t.me/helpstudentpoint

Telegram Channel Link

https://t.me/helpstudentpoint

Visit Our Website

www.HelpStudentPoint.com

Download Our Mobile App

https://bit.ly/appshsp